# 2021 बी. ए. द्वितीय वर्ष: पाठ्यक्रम

### DR. B. R. AMBEDKAR UNIVERSITY, AGRA

## ENGLISH LANGUAGE (GENERAL ENGLISH) PAPER I

### • TEXT : Specimen of Prose

**50 MARKS** 

The following Essays are prescribed as specimens of Prose for detailed study: 1. Work and Play—Herbert Read, 2. The Laws of Nature—J. B. S. Haldane, 3. Individuals and Masses—Aldous Huxley, 4. Children at Play—Rumer Godden, 5. Symptoms—Jerome K. Jerome, 6. How to Avoid Foolish Opinions—Bertrand Russell.

- Novellete: George Orwell—Animal Farm—(For General Study)
- Q. No. 1, 2, 3 will be asked from the Text to test the understanding of the essays prescribed. No passages for explanation will be asked.
  - Q. No. 4 will be based on the prescribed novel.
- Q. No. 5 will be based on the Grammar related to the text to test the understanding of the language, Syntax, Tenses etc.

### PAPER II (Based on OMR Pattern)

- 1. Essay Writing: Testing the skill of developing an idea.
- 2. Letter Writing: Formal and Informal letters.
- 3. Journalistic Writing: Report, Editorial, Observations.
- 4. Story Writing.
- 5. C. V. wriging concepts
- 6. Punctuation
- 7. One Word Substitution
- 8. Idioms and Phrases

### **ENGLISH LITERATURE**

### PAPER I: DRAMA

M.M. : 50

Unit I: Ten short answer questions based on the entire course including three passages for explanation.

Unit II: Theory of Drama, Elements of Drama, Tragedy, Comedy, Tragi-comedy, Expressionist, Drama Drama of Ideas, Poetic Drama, Closet Drama, The Problem Play, Drama of the of Absurd.

Unit III: Shakespeare: Othello

Unit IV: Congreve: The Way of the World

Unit V: G. B. Shaw: St. Joan

- Q. No. 1. Ten short answer questions based on the entire course including three passage for explanation.
  - Q. No. 2 & 3. Two Long Answer Questions from Plays.
  - Q. No. 4. Five Short Answer Questions on theory and forms of Drama.
- Q. No. 5. Two Anltyical Questions of 250 words each on the Plays prescribed.

### PAPER II: FICTION

M. M.: 50

Unit I: Ten short-answer questions based on the entire course.

Unit II: Forms, Techniques and characteristics of Novel, Picaresque Novel, Historical Novel, Gothic Novel, Epistolary Novel, Regional Novel,

### 2 | B. A. Part-II (Syllabus)

Utopia, Dystopia, Detective Novel, Campus Fiction, Science Fiction, Space Fiction, Metafiction, 'Chic lit', Junk Fiction Plot, Characterization, Narrative Technique and Structure, Short Story.

Unit III: Jane Austen: Pride and Prejudice Unit IV: Charles Dickens: Oliver Twist

Unit V: Thomas Hardy: The Return of the Native

Q. No. 1. Ten short answer questions based on the entire course.

Q. No. 2, 3 & 4. Long Answer Questions on prescribed novels.

Q. No. 5. Two questions one of technique and one on forms of novel.

### हिन्दी भाषा

प्रथम प्रश्न-पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप पूर्णांक : 50

- 1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास।
- 2. टिप्पणी, आलेखन।
- 3. हिन्दी पत्राचार—(क) कार्यालयी पत्राचार, (ख) वाणिज्यिक पत्राचार
- 4. पारिभाषिक शब्दावली का सैद्धान्तिक परिचय, व्यवहार।
- 5. संक्षेपण एवं पल्लवन।

अंक विभाजन : 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न  $10 \times 01 = 10$ , 5 अति लघु उत्तरीय प्रश्न  $\times$  02 = 10, 6 लघु उत्तरीय प्रश्न,  $06 \times 02 = 12$ , 3 आलोचनात्मक प्रश्न  $03 \times 06 = 18$ 

द्वितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएँ पूर्णांक : 50

- 1. कहानी—बड़े भाई साहब (प्रेमचन्द)
- 2. रेखाचित्र—गिल्लू (महादेवी वर्मा)
- 3. संस्मरण—घर को जोगी जोगड़ा (काशीनाथ सिंह)
- 4. रिपोर्ताज—ऋणजल धनजल (फणीश्वरनाथ 'रेणु')
- 5. यात्रा वृत्तान्त-अरे यायावर रहेगा याद का एक अंश (अज्ञेय)
- 6. डायरी—दिल्ली मेरा परदेस (रघुवीर सहाय)
- 7. आत्मकथा ं जूर्ठन का एक अंश (ओमप्रकाश बाल्मीिक)
- 7. व्यंग्य—स्वर्ग में विचारसभा का अधिवेशन (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)

### नोट—केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्न ही पूछे जाएँगे।

### हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य पूर्णांक : 50

निर्धारित कवि—मैथिलीशरण गुप्त (सार्केत का अष्टम सर्ग अथवा पाँच कविताएँ), जयशंकर प्रसाद (श्रद्धा सर्ग अथवा पाँच कविताएँ), सूर्यकान्त त्रिपाठी निरासा (सरोज स्मृति अथवा पाँच कविताएँ), सुमित्रानन्दन पन्त (पाँच कविताएँ), महादेवी वर्मा (पाँच गीत), रामधारी सिंह 'दिनकर' (पाँच कविताएँ)।

हुत पाठ—श्रीधर पाठक, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', सुभद्रा कुमारी चौहान। (सामान्य अध्ययन हेतु)

प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 01 = 10

(ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पात्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1— मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के  विधारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।  2 × 04 = 08  इकाई 2— सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।  2 × 04 = 08  इकाई 3— मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर  7 × 01 = 07  इकाई 4— सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  07 × 01 = 07  दितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य  पूर्णांक : 50  (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचण्य वर्मा), राग दरबारी (शीलाल शुक्ल)।  (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन् भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्त्रधर शर्मा 'गुलेरी')।  दुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अन्वक्राई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ।  2 × 04 = 08  इकाई 3—उपन्यासों पर आलोचनात्मक प्रश्न।  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (ब) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (व) ऋत्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2)  दितीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  तृतीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद  (व) संस्कृत सो हिन्दी में अनुवाद  (व) संस्कृत सो हिन्दी में अनुवाद  (व) संस्कृत सो हिन्दी में अनुवाद)  दितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय ख		
इकाई 1— मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यंकान्त त्रिपाठी निराला के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 2—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3— मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यंकान्त त्रिपाठी निराला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 द्वितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 द्वितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरवारी (श्रीलाल शुक्त)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन् भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणेशवर नाथ रेषु), 6. राजा निरवंसिया (कमलेशवर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। द्वापाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 10 × 01 = 10 (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हृत पाठ के पाट्यक्रम से) 5 × 02 = 10 इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 वित्रीय खण्ड : पाट्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : आनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से लिन्दी में अनुवाद) दितीय खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत सो निन्दी में अनुवाद) दितीय खण्ड : अलंकार (लाघु सिद्धान्त कौसुदी—तिङन प्रकरण भू एवं एवं धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, रलेक, उत्तेषा, उत्तरीस, विशेषांक्त, विशेषांक्त, सन्देह एवं वित्रीय, समक, रलेक, उत्तेषा, इत्तरीय, विशेषांक्त, सन्देह एवं प्राप्तिक, सन्तरीय सम्तरीक, उत्तरीय सम, इत्तरीय सम, इत	(ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के दुत पाठ के पाठ्	यक्रम से)
निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।  इकाई 2—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।  इकाई 3—मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर अधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  7 × 01 = 07  इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)।  (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन् भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निर्द्धासया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रभर शर्मा 'गुलेरी')।  द्वताव—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  10 × 01 = 10  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ।  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ।  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  प्रथम प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  प्रथम खण्ड : पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  वत्रीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद  द्वितीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद  द्वितीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) पूर्णांक : 50  प्रथम खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिहन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिहन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघ्य प्रदीपिका))  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उद्देशसा, विभावना, विशोषोक्ति, सन्देह एवं		
इकाई 2—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3—मेथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर 7 × 01 = 07 इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 07 × 01 = 07 [द्वितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन्नू भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निर्द्धांस्था (कमतेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। द्वतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट के पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट के पाट्यक्रम से) (उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट के पाट्यक्रम से) (उत्तरीय प्रश्न । (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट के पाट्यक्रम से) (उत्तरीय प्रश्न । (प्रश्न-पत्र के द्वर पाट के पाट्यक्रम से) (उत्तरीय प्रश्न । प्रश्न पत्रम से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 1—उपन्यासों के निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 4—कहानियों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 एपाँक : 50 प्रथम खण्ड : पाट्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (व्याख्ण संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (व्याख्य खण्ड : व्याचरण (लघु सिद्धान्त कोमुदी—समास प्रकरण) वर्ताय प्रणांक : 50 प्रथम खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कोमुदी—समास प्रकरण) पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कोमुदी—सिक्त से हिन्दी में अनुवाद (व्याखण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कोमुदी—तिङ्न प्रकरण भू एवं एघ् घतुती तृतीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान कोमुदी—तिङ्न प्रकरण भू एव	इकाई 1—मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिप	ाठी निराला के
काव्यांशों से व्याख्याएँ। इकाई 3—मेथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर अधारित आलोचनात्मक प्रश्न। इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 07 × 01 = 07  द्वितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन्यू भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निर्द्धांसया (कन्तशेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ् सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रभर शर्मा 'गुलेरी')। द्वृतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10 इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत प्रथम प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) चतुर्य खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) चतुर्य खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङ्न प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङ्न प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङ्न प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङ्न प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण (क्वय प्रदीपिका) अनुप्रास,		
इकाई 3—मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर अधारित आलोचनात्मक प्रशन। 7 × 01 = 07 इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रशन। 07 × 01 = 07 प्रान्त : 50 द्वितीय प्रशन-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन्नू भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निर्त्वसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्रीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रशन। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रशन। (प्रशन-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  इकाई 1—उपन्यासों की निधारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 2—निधारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रशन। 7 × 01 = 07 इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रशन। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  पूर्णांक : 50  प्रथम खण्ड : पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कोमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  प्रथम खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  प्रथम खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  प्रथम खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : अनुवार (काव्य प्रयीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशोषोक्त, सन्देह एवं	इकाई 2-सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिन	कर के निर्धारित
अधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 07 × 01 = 07  दितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50  (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन् भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुत्पाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10 इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। १ थ ०४ = 08 इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। १ थ ०४ = 08 इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।  सामान्य संस्कृत प्रथम खण्ड : पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) दितीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कोमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  दितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 प्रथम खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कोमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण (काव्य प्रदीपिका) अनुप्रास, यमक, रलेष, उपमा, रूपक, उत्प्रक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरवारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन् भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणू), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलरी')। हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (उ) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (अ) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से) (अ) अन्ववर्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के दुत पाठ के पाठ्यक्रम से) (अ) अन्ववर्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के दुत पाठ के पाठ्यक्रम से) (अ) अन्ववर्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के दुत पाठ के पाठ्यक्रम से) (अ) अन्ववर्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के दुत पाठ के पाठ्यक्रम से) (अ) अन्ववर्य पाठ्यप्रश्न (संस्कृत के दिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (व) स्वारंप संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (हितीय खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य–3 प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (हितीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्त्रक्का, विभावना, विशेषोक्ति, सन्दह एवं	इकाई 3—मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिप	ाठी निराला पर
जित्तेय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 (क) उपन्यास—चित्रतेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन्नू भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। द्वतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पात्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अन्वार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अन्वार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वत पाठ के पाठ्यक्रम से)  (ख) अप्याप प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  प्रथम खण्ड : पाठ्यज्ञ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (ख) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (ख) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद  (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (व) द्वतीय खण्ड : ख्रासरमभवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (व) द्वतीय खण्ड : ख्रासरसभवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (व) त्रितीय खण्ड : ख्राकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्त्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्त, सन्देह एवं	आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	$7\times01=07$
द्वितीय प्रश्न-पत्र : हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक : 50 (क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन्नू भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पात्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पात्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पात्यक्रम से)  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  प्रथम खण्ड : पात्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  चतुर्थ खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्तरेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	इकाई 4—सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनव	<b>हर पर आधारित</b>
(क) उपन्यास—चित्रलेखा (भगवतीचरण वर्मा), राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल)। (ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन्नू भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुतपाठ— राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाट्यक्रम से) (अ) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाट्यक्रम से) (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाट्यक्रम से) (अ) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाट्यक्रम से) (अ) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाट्यक्रम से) (अ) अनुवार्य पांच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के दुत पाठ के पाट्यक्रम से) (अ) उत्तर्वार्य पार्य आधारित व्याख्याएँ। (अ) उत्तर्वार्य पार्य आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (व) क्रुवंद (1·1) अथवंवेद (1·2) (व) क्रुवंद (1·1) अथवंवेद (1·2) (व) क्रुवंद (1·1) अथवंवेद (1·2) (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद (व) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)	आलोचनात्मक प्रश्न।	$07 \times 01 = 07$
(ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही सच है (मन् भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पात्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पात्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पात्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: वाच्च (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: जुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: जुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्त्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीिक) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')।  हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ।  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ।  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  7 × 01 = 07  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।  7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (व) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2)  द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
(फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाव्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाव्यक्रम से)  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। त अध्यम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 प्रथम खण्ड: पाव्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) द्वितीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 प्रणांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	(ख) कहानी—1. कफन (प्रेमचन्द), 2. गुण्डा (प्रासद), 3. यही	सच है (मन्
(फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस चौका डेढ़ सौ (ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')। हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)। प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाव्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाव्यक्रम से)  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। त अध्यम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 प्रथम खण्ड: पाव्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) द्वितीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 प्रणांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	भण्डारी), 4. चीफ की दावत (भीष्म साहनी), 5. मारे गये गुलफाम उप	र्ति तीसरी कसम
हुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्रीतम (सामान्य अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के हुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ।  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ।  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2)  द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद)  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	(फणीश्वर नाथ रेणु), 6. राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 7. पच्चीस	चौका डेढ़ सौ
अध्ययन) हेतु)।  प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ।  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ।  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।  7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (ब) ऋग्वेद (1·1) अथर्ववेद (1·2)  द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	(ओमप्रकाश वाल्मीकि) अथवा उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी')।	
प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्वुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10  (ब) ऋग्वेद (1·1) अथर्ववेद (1·2) 10  द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10  तृतीय खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15  अनुप्रास, यमक, श्लेव, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	द्रुतपाठ—राजेन्द्र प्रसाद, यशपाल, लक्ष्मीनारायण लाल, अमृता प्र	तिम (सामान्य
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)  (ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ।  2 × 04 = 08  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ।  2 × 04 = 08  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।  7 × 01 = 07  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।  7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)  (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2)  द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्गृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)  तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
(ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न-पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)  5 × 02 = 10  इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08  इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08  इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत  प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2  प्रथाम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10  (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10  द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10  तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10  चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड: आलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	प्रथम प्रश्न—(क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न	। (प्रश्न-पत्र के
इकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 इकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वंद (1·1) अथवंवंद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	
हकाई 1—उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 हकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 हकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 हकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 र र 01 = 07 र	(ख) अनिवार्य पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न। (प्रश्न–पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्	यक्रम से)
हकाई 2—निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ। 2 × 04 = 08 हकाई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 हकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07		
ह्काई 3—उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07 हकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न। 7 × 01 = 07  सामान्य संस्कृत प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
सामान्य संस्कृत प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
सामान्य संस्कृत प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 3नुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	इकाई 4—कहानियों पर आलोचनात्मक प्रश्न।	$7 \times 01 = 07$
प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
प्रथम प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-2 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड: वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड: व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड: अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	गागाना गंकत	
प्रथम खण्ड : पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) (अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		TITUÉS - 50
(अ) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) 10 (ब) ऋग्वेद (1·1) अथवंवेद (1·2) 10 द्वितीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10 तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) द्वितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		પૂર્ગાવા : 30
(ब) ऋग्वेद (1·1) अथर्ववेद (1·2) 10  द्वितीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) 10  तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) 10 चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50  प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15  द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		10
द्वितीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण) चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
तृतीय खण्ड : व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी—समास प्रकरण)  चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद  (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3  पूर्णांक : 50  प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङ्नत प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10  तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका)  35 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
चतुर्थ खण्ड : अनुवाद—(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10 (ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  हितीय प्रश्न-पत्र : संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक : 50 प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 हितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 नृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		
(ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)  द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50  प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		10
द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		10
द्वितीय प्रश्न-पत्र: संस्कृत भाषा नैपुण्य-3 पूर्णांक: 50 प्रथम खण्ड: कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड: व्याकरण: लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड: अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	(ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद)	
प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद) 15 द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङन्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं		पर्णांक : 50
द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमुदी—तिङ्न्त प्रकरण भू एवं एघ् धातु 10 तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	प्रथम खण्ड : कमारसम्भवम (प्रथम सर्ग) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	15
तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका) 15 अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	द्वितीय खण्ड : व्याकरण : लघु सिद्धान्त कौमदी—तिडन्त प्रकरण भ ए	वं एघ धात 10
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, सन्देह एवं	तृतीय खण्ड : अलंकार (काव्य प्रदीपिका)	
	अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषो	

चतुर्थ खण्ड : अर्थावबोध : अपठित संस्कृत के गद्यांश अथवा श्लोकों के आधार पर संस्कृत में प्रश्नोत्तर।

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र : नाटक गद्यकाव्यं काव्यशास्त्रञ्च पूर्णांक : 50

प्रथम खण्ड : अभिज्ञानशाकुन्तलम् : मूलपाठस्य व्याख्यात्मकमध्ययमनम् द्वितीय खण्ड : कादम्बरी : महाश्वेतावृत्तान्त : व्याख्यात्मकमध्ययनम्

अथवा शुकनासोपदेश : व्याख्यात्मकूमध्ययनम्

तृतीय खण्ड : उभयोर्ग्रन्थ्यो : समीक्षात्मकप्रश्ना : सूक्तिव्याख्या च

चतुर्थ खण्ड : साहित्यदर्पण : आचार्य विश्वनाथ गुणा: माधुर्यम्, ओज:, प्रसादश्च रीतय: वैदर्भी, गौडी, पाञ्चाली, लाटी च

अलङ्कारा:—अनुप्रासः, यमकः, श्लेषः, उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, सन्देहः, भ्रन्तिमान्, विभावना, विशेषोक्तिश्च।

द्वितीय प्रश्न-पत्र : व्याकरणम्, निबन्धः गद्यनाद्यसाहित्येतिहासः पूर्णांक : 50

प्रथम खण्ड: मध्यसिद्धान्तकौमुदी—अजन्तप्रकरणम् (सूत्रव्याख्या)

द्वितीय खण्ड : मध्यसिद्धान्तकौमुदी—अजन्तप्रकरणम् (रूपसिद्धिः सञ्जापरिचयश्च) मध्यसिद्धान्तकौमुदी—हलन्तप्रकरणम् (युष्पद्, अस्मद्, तद्)

तृतीय खण्ड : संस्कृतभाषया निबन्धलेखनम्

चतुर्थ खण्ड : नाट्यसाहित्येतिहास: (सुबन्धु:, बाणभट्ट:, दण्डी, घनपाल:, अम्बिकादत्त व्यास:, चम्पूकाव्यम्, भासस्य नाटकानि, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मालविकाग्नि-मित्रम्, विक्रमोवंशीयम्, मुद्राराक्षसम्, मृच्छकटिकम्, मालतीमाधवम्, महावीरचिरतञ्च—प्रसन्तराघवम्, परिच: कर्तृत्वम्)।

### SOCIOLOGY

Paper I: Indian Society: Issues and Problems

(Questions in this paper shall be based on Objective Type-OMR Sheet)

Unit 1: Structural: Inequality of caste and gender, Problems of minorities, Backward classes and dalits. Human Rights violation.

Unit 2: Familial: Dowry, Domestic violence, Divorce, inter Generational conflict, Problems of elderly.

Unit 3: Developmental: Development, induced displacement, naxalism and regionalism communism, regional disparities, Ecological degradation, Consumerism, Crisis of Values.

Unit 4: Disorganisational: Crime and Delinquency, White Collar crime and criminals, Drug addiction, Terrorism, Cyber crime, Corruption and public sphere.

Paper II: Social Change and Social Control

Unit I: Social Change: Meaning, Nature and factors of Social Change: Biological Factors, Demographic Factors, Technological Factors, Economic Factors, Cultural Factors, Info-tech factors.

Unit II: Theories of Social Change: Demographic and Biological Theories, Evolutionary, Diffusionist and Marxist theory, Technological deterministic theory, Linear and Cyclical theories of Social change.

Unit III: Other Concepts Relating to Social Change: Social Process: Industrialization, Urbanization, Modernization and Sanskritization

and Social Evolution, Social Change in India.

Unit IV: Social Conrol: Need and Importance of Social Control,

Types of Social Control, Theories of Social Control.

Unit V: Agencies of Social Control: Family, Propaganda, Public Opinion, Education, State and Religion.

### **ECONOMICS**

Paper I: National Income Analysis, Money and Banking M.M.: 50 Unit I: National Income Analysis: Concept and methods of measurement; Circular flow of product and income, Government and foreign sectors in national income accounts. Determination of National Income under Classical and Keynesian System, Money theories of trade cycle.

Unit II: Value of Money: Fisher and Cambridge approaches. Incomeexpenditure approach. Keynes' quantity theory. Prices: Inflation, deflation. Monetary approach. Keynesian approach. Non-monetary theories of inflation. Effect of deflation. A brief discussion of relationship between inflation and unemployment (Philips curve and modified Philip's curve), Okun's law and concept of stagflation.

Unit III: Banking: Types and function. Structure and management, assets and liabilities, creation of money. Commercial Banking: Principles and Practices. Central Banking: Instrument of monetary control and other functions of Central Banks. Indian Monetary Market: Structure, concept and sources of change in money supply. Reserve Bank of India, regulatory and promotional functions.

Unit IV: Foreign Exchange: Concept, demand and supply of foreign exchange; external value of money—gold standard, exchange rate determination, purchasing power parity theory, International monetary institution—IMF and IBRD. Exchange Control, Objectives and Methods.

Paper II: Public Finance and International Trade M.M.: 50

Unit I: Private and Public Goods, Principle of maximum social advantage. Government Budget: Preparation and classification, Sources of Public Revenue, Taxation, Satisfaction of Public wants, the benefit approach, the ability to pay approach; incidence and effects of taxation.

Unit II: Public Expenditure: Wagner's law, Wiseman-Peacock hypothesis, the critical limit hypothesis. Classification of Public **Expenditure:** Effects of public expenditure on production and distribution. Public Debt: Classification, effects, burden, repayment and management.

Unit III: Fiscal Policy: Stability and Economic growth. Indian Public Finance: Sources of income—Central, State, Indian Tax System. Public expenditure in India. Indian Federal Finance.

Unit IV: International Trade: Theory of comparative cost.

Refinements-Opportunity cost. Reciprocal demand analysis. **Terms of Trade**: Concepts and measurement. Free trade and production. Tariff and non-tariff methods. **The balance of payments**: Equilibrium and disequilibrium. Foreign trade of India and trade policy.

### POLITICAL SCIENCE

Paper I: An Outline History of Western Political Thought

Unit I: Plato, Aristotle, Cicero.

Unit II: Main characteristics of Medieval Political Thought and the Church-State controversy; St. Thomas Aquinas, Machiavelli, Jean Bodin.

Unit III: Thomas Hobbes, John Locke, J.J. Rousseau, Jeremy Bentham, J. S. Mill.

Unit IV: Herbert Spencer, Karl Marx, T. H. Green, H. J. Laski.

### Paper II: Comparative Government

Unit I: United Kingdom: General Features, Constitutional Conventions, The Crown, Parliament, Cabinet System, The Rule of Law, The Party System.

Unit II: U.S.A.: General Features, Federalism, President, Congress, Federal Judiciary, Method of Amendment of Constitution, Party System.

Unit III: Switzerland: Main Features, Federal Executive, Federal Legislature, Judicial System, Devices of Direct Democracy, Method of Amendment in the Constitution.

Unit IV: France: Making of the Constitution of the Fifth Republic and its characteristics, The President and the Government, The National Assembly and the Senate, The Judicial System and Administrative Law, The Party system.

### **EDUCATION**

### Paper I: Educational Psychology M. M.: 50

Unit I: Definition and Nature of Educational Psychology, Relation between Education and Psychology, Importance of Educational Psychology for a teacher, Methods of Educational Psychology Introspection, Observation, Experimental and Case-Study.

Unit II: Concept of Learning, Theories of Learning, Conditional Reflex theory, Theory of Trial and Error, Insight theory, Role of Motivation in Learning, Laws of Learning.

Unit III: Individual difference and its Educational Importnace. Concept of Intelligence and I.Q. Concept of Emotional Intelligence and E.Q. Definition of Personality and its determinants.

Unit IV: Mental Health: Meaning and Ways of Promotion, Mental Health. Education of Exceptional Children—Gifted, Creative and Backward.

Paper II: Thought and Practical in Education M. M.: 50

Unit I: Philosophy and Education—Concept, Nature and Relationship, Definition of Educational Pihilosophy.

Unit II: Essetial aspects of following schools of Philosophy—Idealism, Naturalism, Pragmatism and Realism.

Unit III: Educational thoughts and contribution of Sri Aurbindo, Gijju Bhai, Tagore, Gandhiji and Vivekanand. In reference to Banasthali, Vidyapeeth, Shanti Niketan Pondicherry Ashram.

Unit IV: Educational Practices—Kindergarten, Montessori, Dalton Plan, Project Method

### HISTORY

### Paper I: Political History of Medieval India (1200-1526 A.D.)

UNIT-1: 1. Significant source material of medieval India: Archaeological literary and historical. 2. Rise of Turks, causes of Success of Arab invasion and its impact. 3. Aibak - Early career, achievements as a commander, difficulties, an assessment. 4. Iltutmish -Early life, problems, achievements, an estimate, the successors and the rule of forty. 5. Razia - Her state policy, causes of her downfall, an assessment. 6. Balban - Early life and accession, his problems, theory of kingship, achievements, an estimate. Causes of downfall of slave dynasty.

UNIT-2: 1. Khaliji Dynasty: Khaliji Revolution. 2. Jalaluddin Firoz Shah Khaliji - Early life and career, significant events of his reign, foreign policy, estimate. 3. Alauddin Khaliji - Early career and accession, difficulties, theory of kingship, Hindu policy, Domestic policy, revolts and its remedies, 4. Alauddin Khaliji - Administrative system, Price control and Market regulations, foreign policy, southern conquest, mongol invasion and its effects, an assessment. Causes of the downfall of the Khaliji Dynasty.

UNIT - 3: Tughlaq Dynasty: 1. Ghiasuddin Tughlaq - Domestic policy, foreign policy, death of Ghiasuddin. 2. Mohammad-bin-Tughlaq-Domestic policy schemes of Mohd. Tughlaq, Revenue reforms, Administrative reforms, foreign policy, Deccan policy, revolts, significance of his reign. 3. Firoz Shah Tughlaq - Early life, accession, was Firoz an usurper?, Domestic policy, foreign policy, Administrative reforms, an estimate. Invasion of Timur, causes and its effects. Causes of downfall of Tughlaq dynasty. 4. Sayyid Dynasty: Khizr Khan - Victories, achievements, character. Mubarak Shah - His achievements. Alam Shah - Administrative achievements. 5. Lodhi Dynasty: Bahlol Lodhi - Accession, main events of reign, character, assessment. Sikander Lodhi - Main events of his life, foreign policy. Ibrahim Lodhi - Domestic policy, foreign policy, causes of failure, an estimate.

UNIT - 4: 1. Nature of state, different theories of kingship. 2. Causes of downfall of Delhi Sultanate. 3. Central and provincial administration, army organization. 4. Development of Education and literature, Architecture. 5. Society, Status of women. 6. Trade & Commerce.

### Paper II: World History (1789-1870 A.D.)

- UNIT 1: 1. Industrial Revolution. 2. Social & Labour Movements in Europe. 3. French Revolution Causes, events, impact on the world. 4. Rule of Directory Problems, foreign policy, end of Directory rule.
- UNIT 2: 1. Napoleonic Era, Napoleon's war France, Continental system, Causes of Napoleon's downfall. Achievements of Napoleon, 2. Vienna Congress Main principles and working, reconstruction of Europe. 3. The Concert of Europe Its significance, causes of its failure.
- UNIT 3: 1. Age of Metternick Metternich and the Austrain empire, German confederation and Metternich, Downfall of Metternich and its causes, evaluation. 2. The Revolution of 1830 Causes, significance and effects. 3. The Revolution of 1848 Louis Philippe's home and foreign policy, causes of revolution, main events, impact, causes of failure. 4. Napoleon III Home policy, foreign policy, causes of downfall. 5. Liberalism and democracy in England.
- UNIT 4: 1. The Unification of Italy Different steps of the unification, significance. 2. Unification of Germany Steps of German unification, Bismark's policy of Blood and Iron. 3. Eastern Question Greek war of Independence, The Crimean war causes and effects, Socialism in Europe. 4. Opening of China -Opium wars. 5. Japan- Meizy reforms. 6. American Civil War.

### **HOME SCIENCE**

Paper I: Family Resource Management: M.M.: 35

- Unit I: Introduction to Management: (a) Basic concepts of Management, (b) Importance of Management, (c) Obstacles of Management.
- Unit II: Factors Motivating Management: (a) Values: Importance, Classification, Characteristics and Changing Values, (b) Goals: Definition and Types, (c) Standards: Definition and Classification: (i) Individual and Group, (ii) Conventional and Modern.
- Unit III: Family Resources and Decision Making Process: (a) Type of Resources, (b) Factor affecting the use of resources, (c) Steps and role of decision making in management.
- Unit IV: (a) Stage of family life cycle, (b) Finance Management— (i) Income—Sources of Income and Expenditure, (ii) Budget—Preparation of Family Budgets in View of Family Income, (iii) Saving—Purpose of Saving and Different Investment Schemes (L.I.C. and Bank), (iv) Guidelines of Money Management.
- Unit V: Time and Energy Management: (a) Definition, (b) Time and Energy Demand during Various Stages of Family Life Cycle, (c) Tools of Time Management and Fatigue, (d) Guidelines of Time and Energy Management, (e) Elementry idea of work simplification.
- Unit VI: Housing: (a) Selection of House Site, (b) Factors to be considered while designing a house: 1. Orientation, 2, Grouping of User's

Area, 3. Circulation, 4. Light and Ventilation, 5. Flexibility, 6. Privacy, 7. Roominess, 8. Sanitation, 9. Aesthetes, 10. Cost.

### Unit VII: Kitchen and Types of Kitchen.

Unit VIII: Introduction to Foundation of Art: (a) Design— Definition, Characteristics and Types: Structural and Decorative, (b) Elements of Design: (i) Line, (ii) Form, (iii) Colour, (iv) Texture, (v) Pattern, (vi) Light, (vii) Space, (c) Principles of Design—(i) Balance, (ii) Harmony, (iii) Proportion, (iv) Rhythm, (v) Emphasis, (d) Study of Colours—(i) Classification and Dimensions, (ii) Colour schemes, (iii) Psychological effect of colours.

#### Paper II: Human Development: M.M.:35

Unit I: Human Development: Definition, Need and Scope.

Unit II: Orientation to Growth and Development: (a) Understanding Growth and Development. (b) General Principles of Development. (c) Stages of Development and Development tasks of each stage Prenatal period, Infancy (0-2 years), Early Childhood (2-6 years), Middle Childhood (6-12 years), Adolescence (13-18 years), Young Adulthood (19-40 years), Middle Adulthood (41-60 years), Late Adulthood and Ageing (61 years Till death). (d) Factors affecting development.

Unit III: Prenatal Period: (a) Menarche, menstruation cycle, puberty, conception fertilization, implanatation, ova, sperm, ovulation and menopause (Define), (b) Female reproductive organs (internal), (c) Conception and signs of pregnancy, (d) Complications of Pregnancy: (i) Hyperemesis Gravidarum, (ii) Abortions, (iii) Toxemia of Pregnancy, (iv) R.H. Factor, (v) Anemia, (e) Care of the pregnant Mother, (f) Stages of Prenatal Development Zygotic, Embryonic and Foetal Stages.

Unit IV: Postnatal Period: (a) Types of Delivery, (b) Care of the New Born Baby, (c) Immunization.

Unit V: Growth and Development with Characteristics from Birth to 12 years: (a) Physical Development, (b) Emotional Development, (c) Social Development, (d) Mental Development.

Unit VI: Play: (a) Definitions and Characteristics, (b) Types of Play, Importance of Play.

Unit VII: Personality: Meaning and factors affecting personality development.

Unit VIII: Common Behavioural Problems among children and their remedies.

#### **PRACTICALS** M.M.:30

1. Greeting Cards, 2. Envelops, Book-marks, 2. Pot Making/dust bins/ any decorative article, 3. Any teaching aid or article of the child below 5 years, 4. A visit to Maternity Ward-Survey Report, 5. Folder, 6. Alpana/ Rangoli.

### **PSYCHOLOGY**

Paper I: Psychopathology

M.M.: 35

Unit I: Introduction to Psychopathology: The concept of normality and abnormality; Classification of mental disorders recent classification of DSM.

**Mental Illness**: Symptoms and syndromes. Causes of abnormal behaviour: Biological, psychological, social and cultural factors.

**Psychological Models of Psychopathology:** Biological, psychodynamic, behavourial, cognitive-behavioural.

Unit II: Stress: Nature sources and types; Acute stress disorder. Coping with stress. Psychosomatic Disorders: Symptoms, causes and treatment.

Unit III: Anxiety Disorders: Phobia, Obsessive compulsive disorder, Generalized Anxiety disorder; their symptoms, types, etiology and treatment. Somatoform Disorders: Conversim Hysteria.

Unit IV: Psychotic Disorders: Symptoms, types, etiology and treatments. (a) Schizophernia (b) Delusional disorders.

Mood (Affective) Disorders: Manic episode, Depressive episode, Bipolar Affective disorders.

**Personality Disorders :** (a) Dissociative (b) Impulsive (c) Anti Social (d) Borderline.

### Paper II : Social Psychog

M.M.: 35

Unit I: Introduction: Nature and scope; Methods of studying social behaviour: Observation, Field study, survey, sociometry Socialization: Nature and Agents and mechanisms, socialization and deviation. Social Interaction: Competition, Cooperation and social facilitation.

Unit II: Perceiving Groups: Prejudice, Stereotypes and Conflicts: Sources, dynamics and remedial techniques.

Interpersonal attraction: Nature, measurement and antecedent conditions of interpersonal attraction. Attitudes: Nature, Formation and change of attitudes. Measurement of attitudes. Likert, Thurston and Bogardus.

Unit III: Group Dynamics and Influence: Structure, function and types of the groups. Group cohesiveness, Norms and decision making. Conformity, obedience and social modelling.

**Leadership:** Definitions and functions; Trait, situational, interactional, behavioural and contingency approaches to leadership effectiveness.

Unit IV: Communication: Verbal and non-verbal strategies; Language and social interaction. Barriers to communication.

Aggression: Determinants: Personal and social; Theoretical perspectives: Biological, trait, situational and Bandura's social learning; Control of aggression.

**Helping Behaviour :** Determinants : Personal, situational and socio-cultural determinants.

Paper III: PRACTICALS

M.M.:30

Any six tests of the following should be performed.

1. Attitude Scale, 2. Test of Aggression, 3. Sociometry, 4. Social Facilitation/Conformity, 5. Anxiety, 6. S.C.T. (Sentence Competition Test), 7. EPI (Eystenck Personality Inventory), 8. Stress/Coping Test.

### **GEOGRAPHY**

### Paper I: Economic Geography

Unit I: Nature, Scope and development of Economic Geography, Major concepts-Economic landscape, Stages of economic development, typology of economic activities (Primary, secondary, tertiary, quaternary) Resource-concept and classification.

Unit II: Soil and major soil types, Forest types and their products: Agricultural Land use and Locational theory by Von Thunen; Distribution production and International trade of principal crops-rice, wheat, sugarcane, cotton tea, coffee and rubber, Agricultural regions of the world by Whittelesey.

Unit III: Marine resources and Aquaculture-Major Fishing Areas, their production and trade. Nature of Occurrence, distribution, production and trade of minerals Iron ore, Manganese, Bauxite, Copper, Mica and Gold (in major producing countries) Power Resources Production and utilization of coal, Petroleum, Hydroelectricity and atomic energy.

Unit IV: Loctational factors of Industries and their relatives significance. Webers theory of Industrial location. Types of industries, Location patterns and development trends of Manufacturing industries-Iron and steel, Textiles, Ship Building, Sugar, Paper and Chemicals, Major Industrial regions of U.S.A., U.K. and Japan.

Unit V: Means and modes of transport-major trans continental railways, International Air and Sea routes; Inland water ways (Panama and Suez Canals); Changing pattern of international trades, Major Trade organizations and trade blocks COMECON, EFTA, ASEAN, NAFTA, OPEC their objectives and trade relations.

### Paper II: Geography of India

Unit I: India in the context of Asia and the world: Structure, Relief and Drainage System; Major Physiographic regions of India; The Indian Monsoon-origin and chracteristics, effect of El Nino La Nina, climatic division, Soil types and conservation.

Unit II: Forest resources, their utilization and conservation; Power resources (Water, Coal, Mineral oil and Atomic) and Mineral resources (Iron ore, Bauxite, Mica, Manganese), their reserve, distribution, production, trade and conservation. River Valley Projects; Tehri dam and Narmada

Unit III: Indian Economy: Agriculture-main characteristics and problems of Indian agriculture; Irrigation, Mechanization and Green Revolution; Post revolution scenario-recent trends; Major Agricultural regions. Industries-Locational factors; development and spatial pattern of major industries (Iron and Steel, Textiles, Cement, Sugar, Paper, Oil Refinery and Fertillzers) Major Industrial regions/complexes.

Unit IV: Population-growth, Distribution and density, demographic and occupational structure, Literacy, Urbanization with special reference to post-Independence period, Population problems, Transport and Trade-Development of Transport Network, Railway zones, Road development and air routes, Foireign trade salient features, Recent trends and trade direction, Major ports.

Unit V: Regional development and disparities after independence; Major issues and planning of some problem areas-Flood prone areas, Drought prone areas and Tribal areas. Detailed geographical study of Uttar Pradesh.

## Paper II : PRACTICALS (A) Lab Work

Unit I: Statistical Analysis (i) Measures of Central Tendency-Mean, Median, Mode, Measures of Dispersition-Quartile range, Standard Deviation, Variance and Co-efficient of variation, Correlation and Co-efficient of correlation. (ii) Graphical Representation of Statistical Data-Histogram, Polygon, Frequency Curve, Scatter Diagram.

Unit II: Cartographic Representation of Statistical Data (i) Graphs: Band graph, Hythergraphy, Climograph. (ii) Diagrams: Compound Bar, Wheel, Rectangle, Circle, (iii) Distribution Maps: Using Dots, Isopleth and Choropleth method.

Unit III: Weather Maps Use of weather instruments and weather symbols (Indian) Study and Interpretation of Indian daily Weather maps/reports especially of January, March, July and October, Weather forecasting.

Unit IV: Geological Maps: Identification of rock-outcrops, Bedding planes, Drawing of cross-section and determination of dip and bed thickness-simple and folded.

### (B) Viva-Voce and Sessional Records

Division of Marks (A) Lab Work: One question from each unit with internal choice, Duration three-hours-40 (B) Viva-Voce and Sessional Records-10

### DIFFERENCE AND STRATEGIC STUDIES

Paper I: Art of War in India (After 1947) M.M.: 35/50

Unit-I: Partition of India: (a) Status of Armed forces. (b) Partition of India. (c) Genesis and prospects of Kashmir dispute. (d) Military operation in Kashmir (1948). Political and Military Lessons of war.

Unit-II: Sino-Indian war 1962: (a) Border dispute. (b) Military operations in brief. (c) Politico military lessons.

Unit-III: Indo-Pak war 1965 and 1971: (a) Background and causes of indo-Pak war 1965, (b) Military operations on Western Fronts, Politico military lessons. (c) Genesis and Causes of Indo-Pak war 1971. (d) Military operation in Eastern front and Emergence of Bangla Desh. (e) Politico military lessons.

Unit-IV: Kargil conflict 1999: (a) Causes, (b) Military operations, Role of IAF. (c) Polticao-Military Lessons.

Paper II: National Security M.M.: 35/50

Unit I: Introduction and Determinants of security: (a) Meaning & concept of National security and concept of Indian National security.

- (b) Power Profile of Nation State, Elements of National Power.
- (c) Territorial Integrity and Sovereignty, Threats from immediate neighbours. (d) Insurgency, Counter insurgency: Concept & Dimensions.

Unit II: International Security: (a) Viable Trends: Co-relation between Foreign, Defence, Regional, Domestic policies and Non-Allignment Movement. (b) Collective security; Balance of power as a concept of peace and war. (c) International Terrorism and counter terrorism measures. (d) Global Power Interest in Indian Ocean and India's Maritime Security and Options.

Unit III: Geo-Strategic and Geo-Political Consideration: (a) Role of Pakistan and Indian-Pakistan Relations. (b) Role of China and Indian-China relations. (c) Options for India (India's security and foreign policy).

Unit IV: India's capabilities to meet security threat: (a) Status of science and technology. (b) Need for nuclear power. (c) Military capability.

### **PRACTICALS**

### TACTICAL EXERCISE WITHOUT TROOPS (TEWT) M. M.: 35/50

1. Outline organization of Infantry Battalion. 2. Organization, weapons and equipment at platoon level. 3. Elementary knowledge of modern tactics: Field craft-(a) Study and description of ground, (b) Judging distance, (c) Indication of target, (d) Fire control order, (e) Section formation, Platoon Formation, 4. Verbal order at Platoon level, 5. **Patrolling**—(1) General, (2) Preperation, (3) Conduct and (4) de-briefing, (6) Message Writing, (7) Appreciation on the sand model of the following: (A) ATTACK,

(B) DEFENCE.

The narration will be at platoon level and students would be required to attempt the exercise at section and platoon level.

### **PHILOSOPHY**

### Paper I: Ethics (Indian and Western)

### Part-I

- 1. Introduction: Concerns and Presuppositions.
- 2. The ideals of Sthitapra n jna and lokasamgraha
- 3. Karmayoga: (Gita)
- Parus ā rthas and their inter-relations.
- 5 Meaning of Dharma, Concept of Rna and Rta; Classification of Dhrama; S a m a nya dharma, Visesadharma, S a dh a ranadharma.

### Part-Il

- 1. Nature and Scope of Ethics.
- 2. Postulates of morality, Problem of free will and determinism.

### 14 | B. A. Part-II (Syllabus)

- 3. Moral and Non-moral actions, Objects of Moral Judgement—Motive and Intention, Ends and means.
- 4. Standards of Morality: Hedonism—Ethical, Psychological, Utilitarianism, Bentham and Mill.
- 5. Intuitionism, Butler's theory of conscience as the ultimate standard of moral judgement.
  - 6. Kant's Ethical Theory.
  - 7. theories of punishment.

### Paper II: Logic (Indian and Western)

### Part-I

- 1. Inference in Nyaya: Definition, Constituents, Process and Types of Vyapti, Paramarsa, Vyapti, Grahopaya, Major Hetvabhasa.
- 2. Inference in Buddhism: Definition, Constituents, Process and Types of Anumana, Vyapati and Major Hetvabhasa.
- 3. Inference in Jainism: Definition, Constituents, Process, Types of Anumana and Vyapti and Major Hetvabhasa.

### Part-II

- 1. Logic and Arguments, Deductive and Inductive Arguments, Truth and Validity. Categorical propositions and classes: Quality, quantity and distribution of terms, Translating categorical propositions into standard form.
- 2. Immediate inference: Conversion, Obversion and Contraposition, Traditional Square of opposition and Immediate Inferences.
- 3. Categorical Syllogism: Standard Form categorical Syllogism: The Formal nature of Syllogistic Argmument, Rules and Fallacies.
- 4. Boolean Interpretation of categorial propositions; Venn Diagram Technique for Testing Syllogisms, Hypothetical and Disjunctive Syllogisms, Ethymeme, The Dilemma.
- 5. Induction: Argument by Analogy, Appraising Analogical Arguments, Refutation by Logical Analogy.
- 6. Casual Connections: Cause and Effect, the meaning of 'Cause'; Induction by Simple Enumeration; Mill's methods of Experimental Inquiry. Criticism of Mill's Methods.
- 7. Symbolic Logic: The value of special symbols; Truth-Functions; Symbols for Negation, Conjunction, Disjunction, Conditional Statements and Material Implication.
- 8. Tautologous, Contradictory and Contingent Statement-Forms; the Three Laws of Thought.
- 9. Testing Argument Form and Argument; Statement-Form and Statement for Validity by the Method of Truth-table.

### DRAWING AND PAINTING

Paper I: (Theory) History of Indian Painting (Primitive Art and Ist Century to 17th Century A.D.)

Unit I: Primitive art with reference to Indian Painting—1. Prehistoric Painting, 2. Indus Valley, 3. Jogimara. Unit II: Buddhist Art: (Buddha Period)—1. Ajanta, 2. Bagh, 3. Sittanvasal, 4. Badami, 5. Elephanta, 6. Ellora.

Unit III: Medieval Art (Medieval Period)—1. Pal School, 2. Apbhransha/Jain School.

Unit IV: Rajasthani Style—1. Mewar, 2. Jaipur, 3. Kishan Garh, 4. Kota-Bundi.

Mughal School—1. Akbar, 2. Jahanghir, 3. Shahjahan.

Pahari School—1. Basholi, 2. Kangra, 3. Garhwal.

### Paper II: Practical

This Practical paper consists be divided in two units.

Unit I: Copy from Old Masters Miniature Binding)

M.M.:30

1. Size-Quarter Imperial, 2. Duration of time-6-Hours, 3. Medium—Water colour, 4. Submission of Sesional Work-5 Plates, 25 Sketches.

### **Division of Marks**

Examination	= 20
5 Plates and 25 Sketches for submission	=5+5=10
	Total = 30

### Unit II: Cast Study Bust/Antique/Life

M.M.:30

1. Size: Quarter Imperial, 2. Duration of time-6 Hours, 3. Medium: Pencil/Charcoal/Crayon/water colour, 4. Submission of Sessional work-5 Plates, 25 Sketches.

### **Division of Marks**

Examination	= 20
5 Plates and 25 Sketches for submission	= 5 + 5 = 10
	<b>Total = 30</b>
Total Practical Marks	= 60

### INDIAN MUSIC

### Vocal/Instrumental Music (Stringed) SITAR

### **Theory Paper**

M.M. : 30

- 1. Study of theoretical details of ragas and talas prescribed for practical course of first year and their comparative study.
- a. Ragas: (i) Shuddh Kalyan, (ii) Malkouns, (iii) Todi, (iv) Gaur Malhar, (v) Vibhaas, (vi) Gaur Sarang.
- b. Talas: (i) Dhamar, (ii) Rupak, (iii) Teevra, (iv) Jhaptal, (v) Ektal, (vi) Chautal, (vii) Jhoomra.
- 2. A. Reading and writing of Notation of Gats/Khyal—Vilambit, Drut presecribed in the practical course of Second Year. B. Writing of Talas in notation with dugun, tigun and Chaugan Layakaries.
- 3. A. Comparative study of Pandit Bhatkhande and Pandit Vishnu Digambar Puluskar notation system. B. Difference between Hindustani and Karnataki Swar and Taal.
  - 4. Short History of Music.
  - 5. Detailed Study of Classification of Ragas.

6. Definition of the following—Nyas, Apanyas, Sanayas and Vinyas, Alap, Jod, Alpatava, Bahutava, Kampan, Lag-data, Maseetkhani and Razakhani gat, Toda, Jhala.

### **PRACTICALS**

### Vocal/Instrumental Music (Stringed) SITAR

### Practical Paper-I

M.M. : 35

- 1. Candidate have to learn three Maseetkhani gats/Vilambit Khyal in details, with alap and Toras/Tans—(i) Gaud Sarang, (ii) Malkouns, (iii) Todi.
- 2. Candidate should learn Razakhani gats/Drut Khyal in the following three ragas with toras/Tans—(iv) Gaur Malhar, (v) Vibhaas, (vi) Shuddh Kalayn.
- 3. Study of the following talas—(i) Dhamar, (ii) Rupak, (iii) Teevra, (iv) Jhaptal, (v) Ektal, (vi) Chautal, (vii) Jhoomra.

**Note:** Composition of the prescribed six ragas may preferably be taught in the talas mentioned above.

### PRACTICAL PAPER-2

M.M.:35

- 1. Intensive study of any one ragas as choice raga convering Alap, Maseetkhani, Gata/Vilambit Khyal, Toras/Tans Razakhani, Gata/Drut Khyal, Toras/Tans and Jhaala four of the ragas prescribed in the practical paper-I.
- 2. Study of One Madhya laya gatas/Drut Khyal in other talas than tritaal out of the ragas prescribed in practical paper-1.
- 3. Ability to demontrate (only by giving taali and khali on hand) talas prescribed in practical paper 1 with their Dwigun, tigun and Chaugun.
- 4. कोर्स के किसी भी राग में ध्रुपद तथा धमार, इसमें दुगुन, तिगुन व नौगुन लयकारी, सितार में राग में पील में धुन।

### PLEASE TAKE NOTE

This is not a University Syllabus. This is just an advertisement supplement. Editorial changes have been made where necessary. Students are advised to kindly check with the department concerned or with the University Office. The Publisher does not accept any responsibility regarding the authenticity of the matter.